दैनिक भारत कि
तामीर
संपादक - काझी मकदूम शफीउद्दीन hinditameer@gmail.com
Editor in chief- Qazi makhdoom shafiuddin

बीड (महाराष्ट्र) | वर्ष-१ ला | अंक-३१४ वा | रविवार १५ जून २०२५ | RNI TITLE CODE:MAHHIN11405/120/1/3/2024 | किमत : २ रूपये | पन्ने - ४

विदेशी शिक्षा का सपना अब भारत में होगा साकार-मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस

पांच अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालयों को महाराष्ट्र में मिली अनुमति

रिपोर्ट: जमीर काज़ी, मुंबई । १४ जून

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शनिवार को कहा कि अब भारतीय विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के लिए विदेश जाने की आवश्यकता नहीं रहेगी, क्योंकि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अंतर्गत पांच प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालयों के साथ राज्य सरकार ने आशयपत्र (डजख) पर हस्ताक्षर किए हैं। ये सभी विश्वविद्यालय मुंबई और नवी मुंबई क्षेत्र में अपने पूरे कैंपस के साथ स्थापित किए जाएंगे।

मुख्यमंत्री ताज होटल में आयोजित मुंबई राइजिंग: क्रिएटिंग एन इंटरनॅशनल एजुकेशन सिटी कार्यक्रम में बोल रहे थे। इस अवसर पर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, राज्य के उच्च व तकनीकी शिक्षा मंत्री चंद्रकांत पाटील, केंद्रीय शिक्षा सचिव विनीत जोशी, सिडको के प्रबंध निदेशक विजय सिंघल, ब्रिटेन, अमेरिका, इटली और ऑस्ट्रेलिया के वाणिज्य

दूतावासों के अधिकारी तथा संबंधित विश्वविद्यालयों के प्रतिनिधि भी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री फडणवीस ने जानकारी दी कि यूनिवर्सिटी ऑफ अबर्डीन (यूके), यूनिवर्सिटी ऑफ यॉर्क (यूके), यूनिवर्सिटी ऑफ वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया (ऑस्ट्रेलिया), इलिनॉय इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (अमेरिका) और इस्तितुतो यूरोपीओ डी डिज़ाइन (इटली) - ये पांच प्रतिष्ठित वैश्विक संस्थान महाराष्ट्र में अपने पूरे कैंपस के साथ शिक्षा आरंभ करने जा रहे हैं। ये सभी संस्थान नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के आसपास विकसित किए जा रहे एजुकेशन हब का हिस्सा होंगे। इस क्षेत्र में आगे चलकर मेडिसिटी, स्पोर्ट्स सिटी और इनोवेशन सिटी भी स्थापित की जाएंगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह पहल राष्ट्रीय शिक्षा नीति २०२० के अनुरूप है और यह विकसित भारत २०४७ के सपने को साकार करने में सहायक होगी। अटल सेतु जैसी बुनियादी परियोजनाओं और अंतरराष्ट्रीय कनेक्टिविटी से इस क्षेत्र को लाभ मिलेगा।

धर्मेंद्र प्रधान का बयान: यह पहल भारत को वैश्विक शिक्षा केंद्र बनाएगी

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि मुंबई केवल आर्थिक राजधानी ही नहीं, बल्कि अब एक वैश्विक शिक्षा नगरी के रूप में भी उभरेगी। उन्होंने बताया कि भारत की कई शिक्षण संस्थाएं जैसे खखढ, खखच्, खऋ और सिम्बायोसिस अब विदेशों में भी अपने संस्थान खोल रही हैं। यह पहल भारत को वैश्विक शिक्षा पटल पर और मजबूत करेगी।

नवी मुंबई में स्थापित होने वाले पांच वैश्विक विश्वविद्यालयों की जानकारी:

१. यूनिवर्सिटी ऑफ अबर्डीन (यूके) - स्कॉटलैंड का एक प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय जो भारत में कैंपस स्थापित करने वाला पहला स्कॉटिश संस्थान बनेगा। इसका सहयोग खखढ, -खखचड, दिल्ली विश्वविद्यालय, खउचठ, खउ-ठ जैसे संस्थानों से रहा है।

२. यूनिवर्सिटी ऑफ वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया (ऑस्ट्रेलिया) - ग्रुप ऑफ ८ के अंतर्गत आने वाला यह विश्वविद्यालय -ख, इंजीनियरिंग, विज्ञान और व्यवसाय के क्षेत्र में अंडरग्रेजुएट और पोस्टग्रेजुएट कोर्सेस शुरू करेगा।

३. यूनिवर्सिटी ऑफ यॉर्क (यूके) - रसेल ग्रुप का सदस्य, यह विश्वविद्यालय कंप्यूटर साइंस, -ख, साइबर सुरक्षा, अर्थशास्त्र और क्रिएटिव इंडस्ट्रीज जैसे क्षेत्रों में अत्याधुनिक शिक्षा प्रदान करेगा।

४. इलिनॉय इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (अमेरिका) - भारत में स्वतंत्र रूप से कैंपस स्थापित करने वाला पहला अमेरिकी विश्वविद्यालय, जो कंप्यूटर साइंस, इंजीनियरिंग और बिज़नेस जैसे उच्च मांग वाले क्षेत्रों में शिक्षा देगा।

५. इस्तितुतो यूरोपियो डी डिज़ाइन (इटली) - यह यूरोप की प्रमुख डिज़ाइन संस्थाओं में से एक है जो फैशन, उत्पाद डिज़ाइन और विज़ुअल कम्युनिकेशन में वैश्विक स्तर का प्रशिक्षण देगा। मुंबई और नवी मुंबई अब सिर्फ औद्योगिक और वित्तीय केंद्र नहीं रहेंगे, बल्कि वे वैश्विक शिक्षा के गढ़ के रूप में विकसित होंगे। यह कदम न केवल भारतीय छात्रों के लिए लाभकारी सिद्ध होगा, बल्कि भारत की अंतरराष्ट्रीय शिक्षा में भूमिका को और मज़बूती देगा।

नए वार्डों के गठन को हाईकोर्ट में दी गई चुनौती, राज्य सरकार और चुनाव आयोग को नोटिस

मुंबई, १४ जून:

महाराष्ट्र में हाल ही में किए गए नए वार्डों के गठन को लेकर बॉम्बे हाईकोर्ट की नागपुर खंडपीठ में एक याचिका दायर की गई है। याचिकाकर्ता ने इस पुनर्गठन को अनुचित बताते हुए इसे चुनौती दी है।

कोर्ट ने इस याचिका पर सुनवाई करते हुए राज्य चुनाव आयोग और महाराष्ट्र सरकार को नोटिस जारी किया है और उनसे जवाब मांगा है। याचिकाकर्ता का आरोप है कि वार्डों के परिसीमन में नियमों का पालन नहीं किया गया और यह प्रक्रिया मनमानी तरीके से की गई है।

इस मामले में अगली सुनवाई नई तारीख को की जाएगी।

जिलाधिकारी विवेक जॉन्सन ने खुद खेत में उतरकर की सोयाबीन की बुआई, किसानों के मनोबल को मिला बल

बीड, १४ जून:

बीड जिले के जिलाधिकारी विवेक जॉन्सन ने किसानों का हौसला बढ़ाने के लिए खुद खेत में उतरकर सोयाबीन की पेरणी (बुआई) की। यह दृश्य बीड तालुका के खंडाळा गांव में किसान बाबासाहेब चिंतामण जायभाये के खेत में देखने को मिला।

मानसून शुरू होते ही किसान खेतों में बुआई के कार्य में जुटे हैं। इस मेहनत में प्रशासन उनके साथ खड़ा है, यह दर्शाते हुए जिलाधिकारी जॉन्सन ने अपनी हथेलियों में सोयाबीन के बीज लेकर खेत में पेरणी की और एक प्रेरणादायक उदाहरण पेश किया।

इस अवसर पर तहसीलदार चंद्रकांत शेळके, जिल्हा कृषी अधीक्षक सुभाष साळवे, मंडल अधिकारी, कृषि सहाय्यक, स्थानीय ग्रामीण और किसान बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

जिलाधिकारी ने किसानों से संवाद कर उनकी कृषि संबंधी समस्याओं को समझा और राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी। कृषि विभाग को निर्देश दिए गए कि समय पर उत्तम गुणवत्ता के बीज, खाद और तकनीकी सलाह किसानों को उपलब्ध कराई जाए।

इस पहल से किसानों में नई ऊर्जा और विश्वास का संचार हुआ है। जिलाधिकारी की इस सकारात्मक भूमिका की सराहना पूरे जिले में की जा रही है। इस दौरे के बाद जिलाधिकारी ने खंडाळा गांव का निरीक्षण किया और महावितरण के बिजली पोल और विद्युत तारों की स्थिति की भी समीक्षा की।

मुंबई में राष्ट्रवादी कांग्रेस (शरद पवार गुट) की महिला परिषद कल, महिला आरक्षण पर होगी जोरदार मांग

जमीर काज़ी, मुंबई । १४ जून

आगामी २०२९ की लोकसभा चुनावों में महिला आरक्षण अनिवार्य रूप से लागू किया जाए, इस मुख्य मांग को लेकर राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार गुट) की ओर से कल सोमवार, १६ जून को यशवंतराव चव्हाण सेंटर, मुंबई में महिला परिषद का आयोजन किया जा रहा है। इस सम्मेलन की अध्यक्षता राष्ट्रीय अध्यक्ष शरद पवार करेंगे।

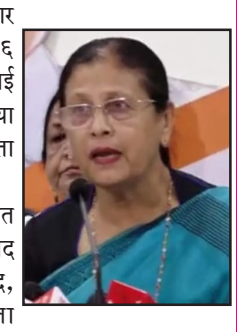

इस मौके पर प्रदेश अध्यक्ष जयंत पाटील, राष्ट्रीय कार्याध्यक्षा एवं सांसद सुप्रिया सुले, पार्टी के सभी सांसद, विधायक तथा देशभर से महिला पदाधिकारी और कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहेंगे। यह जानकारी राष्ट्रीय महिला अध्यक्षा एवं राज्यसभा सांसद फौजिया खान ने शनिवार को आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में दी।

फौजिया खान ने कहा कि, लोकसभा चुनावों से पूर्व मोदी सरकार ने 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' संसद में पारित किया था, जिसका हमने समर्थन किया था। लेकिन उस विधेयक की अमल में लाने की कोई निश्चित समय-सीमा नहीं दी गई। महिलाओं के मन में यह शंका बनी हुई है कि आखिर उन्हें आरक्षण कब मिलेगा?

उन्होंने कहा कि देश में महिलाओं के साथ हो रहे लैंगिक अत्याचार, दहेज हत्या, कार्यस्थल पर शोषण और घरेलू हिंसा जैसी समस्याएं चिंताजनक हैं। इन सवालों का समाधान महिलाओं की भागीदारी से ही संभव है। उन्होंने सवाल उठाया कि देश की ४८% आबादी महिलाएं होने के बावजूद, लोकसभा में महिला सांसदों की संख्या सिर्फ १४% और राज्यसभा में १३% क्यों है?

फौजिया खान ने यह भी याद दिलाया कि शरद पवार ने ही सबसे पहले स्थानीय स्वराज्य संस्थाओं में ७३वें संविधान संशोधन के तहत महिलाओं को ३३% आरक्षण दिया था, जिससे वे सशक्त हुईं। हालांकि, मौजूदा केंद्र सरकार ने महिला आरक्षण अधिनियम में तीन शर्तें जोड़ दी हैं, जिससे शंका है कि यह आरक्षण २०२९ के लोकसभा चुनाव में भी लागू हो पाएगा या नहीं।

इसी पृष्ठभूमि में, राष्ट्रवादी कांग्रेस (शरद पवार गुट) की महिला आघाड़ी ने निर्णय लिया है कि वे देशभर में लोकसभा और विधानसभा के लिए महिला उम्मीदवारों की पहचान कर उन्हें तैयार करेंगी। अगर यह विधेयक महिलाओं के भविष्य को प्रभावित करता है, तो उसे बनाने का अधिकार भी महिलाओं को ही मिलना चाहिए।

फौजिया खान ने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने इस विधेयक को जल्द लागू नहीं किया, तो राष्ट्रवादी महिला कांग्रेस (शरद पवार गुट) सड़कों पर उतरकर सख्त रुख से जवाब मांगेगी।

देशी गोवंश संरक्षण के लिए पंकजा मुंडे का अहम फैसला: हर साल २२ जुलाई को मनाया जाएगा शुद्ध देशी गोवंश संरक्षण दिवस

मुंबई, १४ जून:

महाराष्ट्र की पशुपालन मंत्री पंकजा मुंडे ने देशी गायों के संरक्षण के लिए एक महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए घोषणा की है कि प्रत्येक वर्ष २२ जुलाई को शुद्ध देशी गोवंश जतन और संवर्धन दिवस के रूप में मनाया जाएगा। इस निर्णय के संबंध में राज्य सरकार द्वारा आधिकारिक अध्यादेश भी जारी कर दिया गया है।

गौरतलब है कि इससे पहले महाराष्ट्र सरकार ने देशी गाय को राज्यमाता - गोमाता का दर्जा दिया था। इसी पृष्ठभूमि में यह फैसला लिया गया है ताकि देशी नस्लों की घटती संख्या पर रोक लगाई जा सके और उनके संवर्धन को गति दी जा सके।

महाराष्ट्र में विभिन्न क्षेत्रों में पाई जाने वाली देशी गायों की नस्लों में मराठवाड़ा की देवणी, लालकंधारी, पश्चिम महाराष्ट्र की खिल्लार, उत्तर महाराष्ट्र की डांगी, और विदर्भ की गवळाऊ नस्लें प्रमुख हैं। हालांकि, इन गायों की कम दूध उत्पादन क्षमता और प्रजनन दर के कारण इनकी संख्या में लगातार गिरावट देखी जा रही है।

राज्य सरकार का उद्देश्य है कि आधुनिक तकनीक की मदद से इन गायों की गुणवत्ता में सुधार कर अधिक उत्पादन क्षमता वाली देशी गायों का विकास किया जाए। साथ ही, देशी गायों के दूध, गोबर और गोमूत्र के उत्पादन और विपणन के लिए बाज़ार उपलब्ध कराने पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा।

शुद्ध देशी गोवंश जतन और संवर्धन दिवस के अवसर पर राज्य भर में चर्चा सत्र, प्रशिक्षण शिविर, प्रदर्शनियां और विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। इन सभी कार्यक्रमों का संचालन राज्य के पशुपालन आयुक्तालय और महाराष्ट्र गोसेवा आयोग के संयुक्त तत्वावधान में किया जाएगा। इसके लिए आवश्यक व्यय गोसेवा आयोग के निधि से वहन किया जाएगा।

इस निर्णय को राज्य सरकार द्वारा देशी गोवंश की सुरक्षा और जनजागृति की दिशा में उठाया गया सकारात्मक और स्वागतयोग्य कदम माना जा रहा है। मंत्री पंकजा मुंडे ने कहा कि यह फैसला स्थानीय देशी नस्लों के संरक्षण को बढ़ावा देने में मदद करेगा।

इस्राईल के ईरान पर हमले की जमाअत-ए-इस्लामी हिंद के अध्यक्ष सय्यद सादत हुसैनी ने की कड़ी निंदा

कहा-यह युद्ध भड़काने वाला लापरवाह कदम, संयुक्त राष्ट्र तुरंत हस्तक्षेप करे

नई दिल्ली, १४ जून:

जमाअत-ए-इस्लामी हिंद (गखक) के अध्यक्ष सय्यद सादत उल्लाह हुसैनी ने ईरान के कई क्षेत्रों पर, जिनमें संवेदनशील परमाणु ठिकाने और आवासीय क्षेत्र शामिल हैं, इस्राईल द्वारा किए गए सैन्य हमलों की कड़ी निंदा की है। उन्होंने इसे अंतरराष्ट्रीय कानून और संयुक्त राष्ट्र चार्टर का घोर उल्लंघन, और एक संप्रभु राष्ट्र पर राज्य प्रायोजित आतंकवाद करार देते हुए चेताया कि यह कदम पूरे पश्चिम एशिया को युद्ध की आग में झोंक सकता है।

उन्होंने संयुक्त राष्ट्र और अंतरराष्ट्रीय समुदाय से तत्काल हस्तक्षेप की अपील करते हुए इस्राईल पर प्रतिबंध लगाने की मांग की है।

उर्दू दैनिक तामीर के २५ वे साल में क़दम रखने पर एक और पेशकश

चाकरवाड़ी में माऊली दादा के रजत महोत्सव का भव्य समापन, प्रदीप मिश्रा जी ने कहा-माऊली दादा के त्याग से चाकरवाड़ी बन गया पंढरपुर

चाकरवाड़ी (प्रतिनिधि):

विसवीं सदी के महान संत व सद्गुरु ज्ञानेश्वर माऊली दादा महाराज की २५वीं पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में आयोजित रजत महोत्सव का समापन अत्यंत श्रद्धा और भक्ति के वातावरण में संपन्न हुआ। इस अवसर पर आयोजित अखंड हरिनाम सप्ताह और पूज्य प्रदीप मिश्रा जी की शिव महापुराण कथा ने श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक ऊर्जा से भर दिया।

शनिवार, १४ जून को हरिनाम सप्ताह और शिवपुराण कथा के समापन के अवसर पर विशाल महाप्रसाद का आयोजन किया गया। कथा के अंतिम दिन पूज्य प्रदीप

मिश्रा जी ने कहा कि जहां साधु-संतों का पवित्र स्पर्श होता है, वहां की भूमि सोने जैसी हो जाती है। माऊली दादा के त्याग ने चाकरवाड़ी को केवल एक गांव नहीं रहने दिया, बल्कि यह स्थान अब प्रति-पंढरपुर' बन गया है।

उन्होंने आगे कहा कि संगति का जीवन में बहुत महत्व होता है। मक्खी यदि सब्जी पर बैठे तो उसकी कोई कीमत नहीं, लेकिन वही मक्खी अगर सोने या हीरे पर बैठ जाए तो उसका महत्व बढ़ जाता है। ठीक उसी प्रकार, हमें संतों की संगति में रहकर अपने जीवन को मूल्यवान बनाना चाहिए।

इस समापन कार्यक्रम में अखंड हरिनाम सप्ताह के तहत ह.भ.प. संदीपान महाराज हासेगावकर और जोग महाराज (वारकरी शिक्षण संस्था, आळंदी-देहू) का कीर्तन हुआ। इस दौरान तपोनिधी शांतीब्रह्म गुरुवर्य महादेव महाराज तात्या चाकरवाडीकर, नारायण महाराज भाऊ (उत्तरशोर पिंपरी), सहित कई संत-महंत उपस्थित थे।

ह.भ.प. संदीपान महाराज हासेगावकर ने कहा कि महाराष्ट्र संतों की भूमि है, और माऊली दादा जैसे संतों ने इसे आध्यात्मिक गौरव की ऊंचाई तक पहुंचाया। उनके अनुसार, माऊली दादा समाज परिवर्तन, अंधश्रद्धा निर्मूलन और धर्म रक्षण के प्रतीक रहे हैं। उनकी करुणा और ममता के कारण वे सभी के हृदय में बसे हैं।

इस भव्य रजत महोत्सव में पूर्व मंत्री आ. धनंजय मुंडे, वरिष्ठ नेता नंदकिशोर मुडदा, ह.भ.प. लक्ष्मण महाराज मेंगडे, बँकटस्वामी संस्थान, ह.भ.प. रामकृष्ण रांधवे बापू महाराज, ह.भ.प. नाना महाराज कदम, ह.भ.प. सुरेश महाराज जाधव और रमेश आडसकर समेत राज्यभर से हजारों श्रद्धालु उपस्थित थे।

माऊली दादा के भक्तों के अथक प्रयास, प्रेम और श्रद्धा के चलते यह रजत महोत्सव अत्यंत भव्य और सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। अंत में विशाल महाप्रसाद का आयोजन कर सभी भक्तों ने धर्म व भक्ति की अनुभूति के साथ प्रसाद ग्रहण किया।

मुंडे साहब की वजह से ही मिली तरक्की... समृद्धि महामार्ग पर भावुक क्षण, मंत्री पंकजा मुंडे को हुआ गहरा अनुभव

परली वैजनाथ, १४ जून:

मशहूर जननेता और दिवंगत नेता गोपीनाथराव मुंडे की स्मृतियां आज भी जनता के दिलों में कितनी गहराई तक जमी हुई हैं, इसका एक भावुक उदाहरण हाल ही में पर्यावरण व पशुपालन मंत्री पंकजा मुंडे को समृद्धि महामार्ग पर अनुभव हुआ।

मंत्री पंकजा मुंडे जब समृद्धि महामार्ग पर यात्रा कर रही थीं, तभी बगल की लेन में एक अन्य कार से एक महिला ने कागज हाथ में लेकर उन्हें कुछ दिखाने की कोशिश की। उस कागज पर लिखा था -

हम मुंडे साहब की वजह से इंजीनियर बने... तरक्की मिली। ढहरपज्ञ धीं!

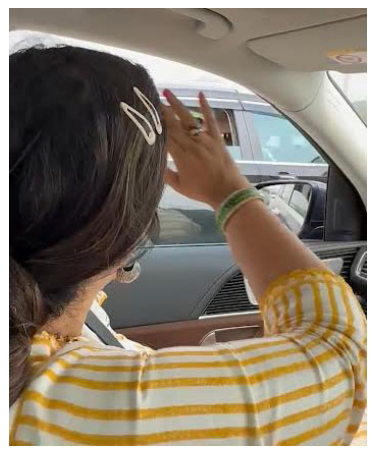

यह दृश्य देखकर पंकजा मुंडे खुद भी कुछ पलों के लिए भावनाओं में बह गईं। उन्होंने इस पल को याद करते हुए कहा, यह संदेश मुंडे साहब के लिए था। समृद्धि मार्ग की तेज रफ्तार भी उस पल को रोक नहीं सकी।

पंकजा मुंडे ने इस भावुक अनुभव का वीडियो अपने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट पर साझा किया, जिसे देखकर हजारों लोगों ने गोपीनाथ मुंडे की यादें ताजा कीं और कमेंट्स के जरिए अपनी भावनाएं प्रकट कीं।

गौरतलब है कि गोपीनाथराव मुंडे ने अपना सम्पूर्ण जीवन ग्रामीण, वंचित, पिछड़े और शोषित वर्गों की भलाई के लिए समर्पित किया। उनकी वजह से हजारों छात्रों को शिक्षा मिली, युवाओं को रोजगार के अवसर प्राप्त हुए और जरूरतमंदों को सहायता मिली। यही कारण है कि आज भी अनेक परिवार उन्हें ईश्वर तुल्य मानते हैं।

यह अनुभव केवल भावनात्मक नहीं, बल्कि इस बात का जीवंत प्रमाण है कि गोपीनाथ मुंडे का कार्य आज भी जनमानस पर कितना गहरा प्रभाव डालता है। नेता चले जाते हैं, लेकिन उनका काम और जनता के दिलों में उनकी जगह हमेशा जीवित रहती है - और मुंडे साहब ने वह जगह अपने अथक सेवाभाव से अर्जित की थी।

आ. संदीप क्षीरसागर के नेतृत्व में शेषेराव तांबे और अक्षय माने का राष्ट्रवादी कांग्रेस (शरद पवार गुट) में प्रवेश

बीड, १४ जून (प्रतिनिधि):

पूर्व शिवसंग्राम पार्टी के पदाधिकारी रहे शेषेराव तांबे और अक्षय माने ने अपने सैकड़ों समर्थकों के साथ आज बीड में विधायक संदीप क्षीरसागर के नेतृत्व में राष्ट्रवादी कांग्रेस (शरदचंद्र पवार गुट) में औपचारिक रूप से प्रवेश किया।

शनिवार को बीड शहर स्थित राष्ट्रवादी भवन में आयोजित इस पक्षप्रवेश समारोह में दोनों नेताओं का भव्य स्वागत किया गया। सामाजिक क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाले और स्वर्गीय विनायक मेटे के नेतृत्व में काम कर चुके शेषेराव तांबे और अक्षय माने ने अब शरद पवार गुट का दामन थामते हुए नई राजनीतिक पारी की शुरुआत की है। इस अवसर पर विधायक संदीप क्षीरसागर के साथ-साथ अनेक गणमान्य उपस्थित थे, जिनमें पूर्व विधायक सय्यद सलीम, पूर्व विधायक उषाताई दराडे, जिलाध्यक्ष राजेंद्र मस्के, महिला आघाड़ी जिलाध्यक्ष संजीवनी देशमुख, बीड तालुकाध्यक्ष बाळासाहेब

गोरे, शहराध्यक्ष खुर्शीद आलम, हाजी नसीम इनामदार, सम्राट चौहान, मामु गुत्तेदार, शेख शाकेर, रामदास हांगे, माऊली सानप सहित कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल थे।

इस अवसर पर विधायक संदीप क्षीरसागर ने कहा कि, स्व. विनायक मेटे साहब एक जमीनी नेता थे, जिन्होंने शून्य से शुरुआत करके सामाजिक और राजनीतिक क्षेत्र में अमिट छाप छोड़ी। मैं सदैव उनके अधूरे सपनों को पूरा करने का प्रयास करता रहा हूं। उन्होंने जिस बंधारा और पुल का सपना देखा था, वह अब साकार होने की ओर है। मराठा आरक्षण के मुद्दे पर उन्होंने जो लड़ाई लड़ी, उसी को आगे बढ़ाते हुए मैंने भी उसका समर्थन किया है। बीड पंचायत समिति के प्रांगण में स्व. मेटे साहब की प्रतिमा स्थापित करने के लिए मेरा प्रयास जारी है और जल्द ही यह कार्य पूर्ण होगा।

इस पक्षप्रवेश के साथ ही बीड जिले में शरद पवार गुट को नया बल मिला है और आगामी राजनीतिक समीकरणों पर इसका व्यापक असर पड़ सकता है।

शेतकऱ्यांची कर्जमाफी समेत विभिन्न मांगों को लेकर बच्चू कडु के अनशन आंदोलन को लिंबागणेश के नागरिकों का समर्थन

लिंबागणेश, १४ जून:

शेतकऱ्यां (किसानों) की सम्पूर्ण कर्जमाफी, कृषि उत्पादों को उचित समर्थन मूल्य, खेतिहर मजदूरों, दिव्यांगजनों, ग्राम पंचायत कर्मियों और अन्य वर्गों की समस्याओं को लेकर प्रहार संगठन के अध्यक्ष बच्चू भाऊ कडु पिछले ७ दिनों से गुरुकुंज मोझरी में राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज की महासमाधि के समक्ष अनिश्चितकालीन अन्नत्याग आंदोलन (अनशन) पर बैठे हैं। इस आंदोलन को आज लिंबागणेश के नागरिकों ने भी समर्थन देते हुए जोरदार प्रदर्शन किया।

लिंबागणेश में शनिवार (१४ जून) को सुबह नागरिकों ने मुख्य प्रवेश द्वार पर एकत्र होकर बच्चू भाऊ कडु जिंदाबाद, कर्जमाफी मिलनी ही चाहिए, सरकार की नीतियाँ ही किसानों की मौत का कारण हैं, शेतीमाल को हमीभाव दो जैसे नारों के साथ आंदोलन के प्रति एकजुटता दिखाई।

प्रदर्शनकारियों ने कहा कि बच्चू कडु द्वारा उठाए गए मुद्दे कटु सत्य हैं। किसानों को फसल का उचित मूल्य नहीं मिल रहा है, राज्य में आत्महत्या की घटनाएं बढ़ रही हैं, सरकार ने चुनावों में किए गए कर्जमाफी के वादों को पूरा नहीं किया, और अकाल व अतिवृष्टि से हुए नुकसान की भरपाई भी नहीं की गई। इस मौके पर प्रदर्शनकारियों ने बच्चू कडु के जीवन को खतरा बताते हुए राज्य सरकार से तत्काल उनकी मांगें मानने और अनशन समाप्त कराने की अपील की। उन्होंने जिलाधिकारी बीड़ के माध्यम से मुख्यमंत्री व उपमुख्यमंत्री को मांगों से संबंधित ज्ञापन और ईमेल समर्थन पत्र भी भेजा। इस आंदोलन में प्रमुख रूप से राजेभाऊ गिरे, भीम टायगर ग्रुप बीड जिल्हाध्यक्ष रविंद्र निर्मळ, उपसरपंच बालकृष्ण थोरात, ऑल इंडिया पैंथर सेना के जिलाध्यक्ष नितिन सोनवणे, विक्रांत वाणी, रामकिसन गिरे, संतोष भोसले, सय्यद अख्तर, सुरेश निर्मळ, राहुल जाधव, तुकाराम गायकवाड, रामदास मुळे, अर्जुन गोंडे, आश्रुबा गिरे, भगवान मोरे, लहु घोलप, दत्ता घरत, तुषार गायकवाड, शहाजी वाणी, भालचंद्र गिरे सहित अनेक कार्यकर्ता व ग्रामवासी शामिल थे। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने समय रहते फैसला नहीं लिया तो आंदोलन व्यापक रूप धारण कर सकता है।

एसटी महामंडल में ५ प्रादेशिक विभागों की स्थापना-निर्णयों के विकेंद्रीकरण की दिशा में बड़ा कदम

रिपोर्ट: जमीर काज़ी, मुंबई (१४ जून)

राज्य परिवहन महामंडल (एसटी) के नियोजन और निर्णय प्रक्रियाओं के विकेंद्रीकरण को साकार करने हेतु अब एसटी महामंडल के अंतर्गत पाँच नए प्रादेशिक विभागों की स्थापना की गई है। ये विभाग मुंबई, नासिक, नागपुर, पुणे और अमरावती में बनाए गए हैं। प्रत्येक प्रादेशिक विभाग के अंतर्गत कार्यरत विभाग और उनका मुख्यालय भी निर्धारित किया गया है।

यह निर्णय कर्नाटक राज्य परिवहन महामंडल की तर्ज पर लिया गया है। इस संबंध में हाल ही में परिपत्रक जारी किया गया है। परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक के निर्देशानुसार महामंडल के उपाध्यक्ष व व्यवस्थापकीय संचालक डॉ. माधव कुसेकर ने यह परिपत्रक जारी किया है, और अगले कुछ दिनों में ये प्रादेशिक विभाग अपने स्वतंत्र कार्यालय शुरू करेंगे।

ज्ञात हो कि महामंडल के नियोजन व विपणन विभाग के अधीन कार्यरत विभिन्न नियंत्रण समितियों के कार्यालय ६ दिसंबर २०१६ से बंद पड़े थे। मंत्री सरनाईक के कर्नाटक दौरे के दौरान वहां के विकेंद्रीकृत ढांचे से प्रेरणा लेते हुए, उन्होंने महाराष्ट्र एसटी महामंडल - जो आकार और प्रशासनिक दृष्टि से कर्नाटक से कहीं बड़ा है - को कम से कम ५ प्रादेशिक विभागों में बांटने का प्रस्ताव प्रस्तुत किया।

वर्तमान में एसटी की त्रिस्तरीय संरचना में तालुका स्तर पर आगार, जिला स्तर पर विभागीय कार्यालय और राज्य स्तर पर केंद्रीय कार्यालय है। लेकिन इसमें राज्य सरकार के राजस्व विभाग की तरह प्रशासनिक विभागों की भूमिका स्पष्ट नहीं थी। इसके चलते क्षेत्रीय योजना, त्योहारों व मेलों के दौरान अतिरिक्त परिवहन सेवाओं के निर्णय में देरी होती थी, जिससे एसटी के राजस्व पर प्रतिकूल असर पड़ता था। इस समस्या को हल करने और क्षेत्रीय समन्वय को बेहतर बनाने हेतु यह नया विकेंद्रीकरण निर्णय लिया गया है। मंत्री सरनाईक के अनुसार, इससे न सिर्फ संचालन में तेजी आएगी, बल्कि स्थानीय यात्रियों को सुरक्षित, सुविधाजनक और समयबद्ध सेवाएं मिल सकेंगी। इस निर्णय के अनुसार, प्रत्येक प्रादेशिक समिति के लिए आवश्यक अधिकारियों की नियुक्ति की जा चुकी है और नियोजन प्रक्रिया शीघ्र लागू की जाएगी।

किसानों की कर्जमाफी में देरी बर्दाश्त नहीं, तुरंत सातबारा कोरा करें: हर्षवर्धन सपकाळ

रिपोर्ट: जमीर काज़ी, मुंबई । १४ जून

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाळ ने राज्य की महायुती सरकार को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा है कि जब किसानों की कर्जमाफी की तत्काल जरूरत है, तब सरकार समिति का खेल खेल रही है। सरकार अगर यह जिम्मेदारी निभा नहीं सकती, तो कुर्सी खाली करे। उन्होंने कहा कि किसानों का सातबारा तात्कालिक रूप से कोरा किया जाए और लाडकी बहनों को २१०० की सहायता तुरंत दी जाए।

सपकाळ ने कहा कि पुणे में उपमुख्यमंत्री अजित पवार के कार्यक्रम में किसानों ने जब सवाल पूछे तो उन्हें धमकाया गया, जो कि जनतंत्र में स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने सरकार से तीखा सवाल किया कि जब अदानी-अंबानी को लाखों करोड़ रुपये देने के लिए धन है, तो किसानों और बहनों के लिए खजाना क्यों खाली हो जाता है?

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि भाजपा की महायुती सरकार सिर्फ पूंजीपतियों के लिए काम कर रही है और सुरजागढ़ खदान घोटाला, समृद्धि महामार्ग भ्रष्टाचार, पुणे रिंग रोड और अन्य परियोजनाओं के नाम पर सरकारी धन की लूट की जा रही है, लेकिन किसानों के लिए कुछ नहीं किया जा रहा।

सरसकट कर्जमाफी होनी चाहिए: नाना पटोले

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता नाना पटोले ने कहा कि देश में सबसे अधिक किसान आत्महत्याएं महाराष्ट्र में होती हैं, जो कि शर्मनाक है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा के नेता और मंत्री मजाकिया बयानबाजी से किसानों की पीड़ा को और बढ़ा रहे हैं। उन्होंने मांग की कि सभी किसानों को बिना किसी भेदभाव के कर्जमाफी दी जाए।

कर्जमाफी की घोषणा करे सरकार: बाळासाहेब थोरात

कांग्रेस वर्किंग कमेटी के सदस्य और पूर्व मंत्री बाळासाहेब थोरात ने भी कहा कि बच्चू कडू द्वारा किसानों की कर्जमाफी के लिए शुरू किया गया अनशन आंदोलन सरकार की लापरवाही का परिणाम है। उन्होंने याद दिलाया कि सरकार ने सत्ता में आने से पहले पहली ही कैबिनेट बैठक में कर्जमाफी देने का वादा किया था, जिसे अब निभाना उसका नैतिक और राजनीतिक दायित्व है।

थोरात ने सवाल उठाया कि जब सरकार के पास बड़ी-बड़ी परियोजनाओं के लिए करोड़ों रुपये हैं, तो किसानों की कर्जमाफी के लिए समिति की क्या जरूरत? उन्होंने मांग की कि सरकार दिखावा बंद कर के तुरंत समग्र कर्जमाफी की घोषणा करे।

राज्य में किसान कर्जमाफी को लेकर विपक्ष का आक्रोश लगातार तेज हो रहा है। कांग्रेस नेताओं ने सरकार पर पूंजीपतियों की सेवा और किसानों की उपेक्षा का आरोप लगाते हुए कर्जमाफी को लेकर त्वरित निर्णय की मांग की है।

तेलगांव-धारूर मार्ग पर तेज रफ्तार वाहन की टक्कर से एक व्यक्ति की मौके पर मौत

बीड, १४ जून (प्रतिनिधि):

तेलगांव-धारूर रोड पर शुक्रवार शाम एक दर्दनाक हादसा उस समय हुआ जब एक अज्ञात तेज रफ्तार वाहन ने सड़क किनारे खड़े एक व्यक्ति को जोरदार टक्कर मार दी। इस दुर्घटना में व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही दिंद्रुड पुलिस तत्काल घटनास्थल पर पहुंची।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, केज निवासी शेख आसरफ बाबा मियाँ शुक्रवार, १३ जून को शाम ६ से ६:३० बजे के बीच भोगलवाडी फाटा के बस स्टॉप पर खड़े थे। इसी दौरान धारूर की ओर से आ रहे तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उन्हें जोरदार टक्कर मारी, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए और घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया।

दुर्घटना के बाद वाहन चालक वाहन सहित घटनास्थल से फरार हो गया। आसपास मौजूद लोगों ने घायल को तत्काल अस्पताल ले जाने की कोशिश की, लेकिन तब तक उनकी मृत्यु हो चुकी थी।

पहले मृतक की पहचान नहीं हो सकी थी, लेकिन बाद में उनके पास मिले आधार कार्ड से उनकी पहचान शेख आसरफ बाबा मियाँ, निवासी टिपू सुल्तान चौक, केज के रूप में हुई।

घटना की जानकारी मिलते ही दिंद्रुड पुलिस थाने के सहायक पुलिस निरीक्षक महादेव ढाकणे अपने सहकर्मियों के साथ मौके पर पहुंचे और पंचनामा करते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए धारूर ग्रामीण अस्पताल भेज दिया। पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

दैनिक भारत की तामीर अखबार के मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक काजी मखदूम शफीउद्दीन ने आरएम प्रिंटरर्स, बार्शी रोड, बीड 431122 महाराष्ट्र में मुद्रित कर के दैनिक तामीर, नगर परिषद परिसर, बशीर गंज, बीड, महाराष्ट्र कार्यालय से प्रकाशित किया है। मोबाइल : 9270574444 ईमेल : hinditameer@gmail.com वेबसाइट : www.dailytameer.com

daily Bharat ki tameer newspaper owner printer publisher editor Quazi makhdoom shafiuddin has printed at RM printers barshi road beed 431122 Maharashtra at published at office daily tameer nagar parishad complex Bashir gunj beed Maharashtra. Mobile : 9270574444 Email : hinditameer@gmail.com Website : www.dailytameer.com